Title: Need to strengthen irrigation system to improve the lot of farmers particularly in U.P.-Laid.

श्री रामजी लाल सुमन (फिरोजाबाद): देश का सम्पूर्ण भौगोलिक क्षेत्र 32.80 लाख वर्ग किलोमीटर है, जिसमें से 30.50 लाख वर्ग किलोमीटर सभी छोटी बड़ी नदियों के जल ग्रहण क्षेत्र में आ जाता है। देश में 13 बड़े, 45 मध्यम और 55 लघु जल ग्रहण क्षेत्र माने जाते हैं किंतु जहां एक ओर देश में जल की पर्याप्त उपलब्धता बताई जा रही है, वहीं दूसरी ओर जल के अभाव की हालत नजर आती है। यह अवस्था उत्तर प्रदेश में भी दिखाई देती है। एक ओर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जल के अभाव के कारण भूमिगत जल स्तर गिरता जा रहा है तो दूसरी ओर पूर्वी उत्तर प्रदेश में जल के अति प्रवाह के कारण बाढ़ की समस्या बनी है। सरकार ने देश के समुचित विकास न हो पाने के लिए मूलभूत सुविधाओं की कमी को दोाी ठहराया है। इसलिए उसने सड़क, बन्दरगाह, यातायात, बिजली, पेट्रोलियम, स्टील, सीमेंट आदि को शामिल कर एक नया वृहद ढांचा तैयार किया है। सिंचाई जो खेती का प्राण है, उसे इस मूलभूत सुविधाओं के ढांचे में शामिल नहीं किया है।

मेरा सरकार से आग्रह है कि सिंचाई व्यवस्था को इस ढांचे में प्रमुखता दी जाये ताकि देश की सम्पूर्ण कृाि भूमि को सिंचित बनाने के लिए एक समय सीमा तय की जाये जिससे खेती के विकास के साथ ही देश का सर्वांगीण विकास संभव हो।